कोटा, राजस्थान में फूलमाली समाज के तत्वावधान में बनाए जा रहे छात्रावास के उद्घाटन के अवसर पर माननीय लोक सभा अध्यक्ष महोदय का संबोधन

आज फूलमाली समाज द्वारा आयोजित छात्रावास के भूमिपूजन समारोह में कोटा में आप सबके बीच आकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। इस भूमिपूजन समारोह में आमंत्रित करने के लिए मैं समाज के पदाधिकारियों एवं समाज के सभी सुधीजनों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

जैसा कि आप सब जानते हैं कि पिछले डेढ दो सालों से कोरोना के कारण हमने व्यापक लॉकडाउन एवं उस दौरान जीवन को बचाने की दिशा में आपके द्वारा प्रयासों को हम सभी ने देखा। मैं आपके समाज द्वारा किए गए प्रयासों के लिए समाज के सभी पदाधिकारियों को धन्यवाद देता हूँ।

कोरोना के नियंत्रित होने के पश्चात अब धीरे धीरे आर्थिक एवं शैक्षणिक गतिविधियां प्रारंभ हुई है। इसी क्रम में आज प्लॉट नं. 4, विनोबा भावे नगर, कोटा में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए एक छात्रावास का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाना सुनिश्चित हुआ है।

शिक्षा के क्षेत्र में भारत की दूसरी काशी कहे जाने वाली हमारी नगरी कोटा की पहचान वैश्विक स्तर पर एक शैक्षिक नगरी की है। उसमें फूलमाली समाज के ऐसे होनहार विद्यार्थी, जो शहर से दूर गांवों के निवासी हैं, उनके अध्ययन में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से छात्रावास का निर्माण अत्यन्त पुनीत कार्य है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि समाज द्वारा किए गए ऐसे सकारात्मक कदमों से इस समाज में शिक्षा और प्रचार और प्रसार बढ़ेगा और वे उन योग्यताओं को प्राप्त कर सकेंगे जिनके बल पर हम समाज में व्यापक बदलाव ला सकते हैं।

ऐसा प्रत्येक समाज जो सामाजिक न्याय की स्थापना करना चाहता है, जो अपने नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारना चाहता है, उनकी प्रतिभा को निखारना चाहता है, उसे अपने समाज के सभी वर्गों के लिए समान अवसरों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी।

हम सबका एक प्राथमिक उद्देश्य पिछड़े और वंचित वर्गों को समान अवसर उपलब्ध कराना है ताकि वे इसे एक साधन के रूप में उपयोग कर अपनी स्थिति सुधार सकें।

प्रख्यात शिक्षा शास्त्री महात्मा फूले हमेशा यह कहते थे कि सामाजिक बुराइयों का सामना करने के लिए महिलाओं और वंचितों को शिक्षा के माध्यम से जागृत करना ही एकमात्र समाधान है।

हम सभी जानते हैं कि व्यक्ति से परिवार, परिवार से समाज और समाज से ही देश का निर्माण होता है। इसलिए एक बेहतर, सशक्त और समृद्ध देश के निर्माण के लिए हमें सभी समाज के हितों को ध्यान में रखना होगा। साथ ही, समाज के हित के साथ हमें देशहित का भी ध्यान रखना होगा।

यदि हमें समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है तो इसकी शुरूआत हमें जमीनी स्तर पर करनी होगी। फूलमाली समाज ने शिक्षा के महत्व को भलीभांति समझा है और उन्होंने शिक्षा के लिए बेहतर सामाजिक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का जो निर्णय लिया है, वह वास्तव में प्रशंसनीय है।

मैं सभी समाज के लोगों का आह्वान करता हूँ कि वे इस समाज से प्रेरणा ग्रहण करते हुए समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के लिए बेहतर शिक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का पुनीत कार्य करें।

एक प्रख्यात विद्वान ने कहा था कि शिक्षा ही वह tool है, जो पूरे संसार में आश्चर्यजनक बदलाव ला सकती है। वर्तमान आधुनिक तकनीक वाले युग में तो शिक्षा का महत्व और भी बढ गया है। हालांकि आज कल ऑनलाइन शिक्षा का जोर बढ़ा है, जो समयानुकूल भी है। फिर भी पारंपरिक शिक्षा पद्धति का भी अपना महत्व रहा है।

इस लिहाज से किसी भी समाज का निरंतर यह प्रयत्न होना चाहिए कि वह विद्यार्थियों के लिए एक बेहतर व्यवस्था विकसित करने पर लगातार बल दे।

मुझे विश्वास है कि छात्रावास का काम शीघ्र ही पूर्ण हो जाएगा और जल्दी ही समाज द्वारा निर्मित यह छात्रावास विदयार्थियों के काम में आएगा।

समाज ने शिक्षा एवं इससे जुड़े क्षेत्र में जो सकारात्मक कार्य किए हैं और उनके लिए मैं समाज के पदाधिकारियों को हृदय से धन्यवाद देता हूं। उनके द्वारा किए गए समाजोपयोगी कार्यों के लिए पुनः उनका अभिनंदन है।

समाज के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण भविष्य में इसी प्रकार से समाज सेवा के नए-नए कार्यों के माध्यम से निरंतर समाज की सेवा करते रहेंगे और उन कार्यों में आपको सदा सबका सहयोग प्राप्त होता रहेगा, मेरा ऐसा विश्वास है।

अब कोरोना का प्रभाव घटा है। धीरे-धीरे सब कुछ व्यवस्थित हो रहा है। हमने अपने त्योहार को मनाना आरंभ किया है। सभी देशवासियों को आने वाले पर्व त्योहारों के लिए शुभकामनाएं देता हूँ। लेकिन यही आग्रह है कि सभी पर्व सावधानी से मनाएं।

अंत में, मैं फूलमाली समाज के सभी पदाधिकारियों को छात्रावास के निर्माण के लिए शुभकामनाएं देता हूँ। निश्चय ही यह छात्रावास ग्रामीण एवं शहर से दूर रहने वाले विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। जय हिन्द।